कनेक्टेड लर्निंग फॉर स्टेम टीम ने देखी शिक्षा में बदलाव की तस्वीर

नाइजीरिया, तन्जानिया और भूटान के शिक्षाविदों ने स्कूलों का किया भ्रमण

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर।

छत्तीसगढ़ के स्कूली बच्चों को अत्याधुनिक तकनीकों के जरिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए कनेक्टेड लर्निंग इनिशिएटिव कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह कार्यक्रम धमतरी जिले में लागू है। कनेक्टेड लर्निंग फॉर स्टेम की टीम ने छत्तीसगढ़ का दौरा किया और कार्यक्रम के जरिए शिक्षा में आधुनिकता और नवाचार को करीब से देखा।

कनेक्टेड लर्निंग इनिशिएटिव एक शैक्षणिक प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य फोकस हायर सेकेडरी के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए डिजिटल रिसोर्सेज की पहुंच को आसान बनाना है। विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया में तकनीकी मदद से और बेहतर बनाना है। जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि के साथ ही उनमें गणित, विज्ञान, अंग्रेजी सहित सभी विषयों को आसानी से समझने की क्षमता आ सके। दौरा करने आई टीम में नाइजीरिया, तन्जानिया और भूटान के साथ टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस

के लोग भी शामिल थे। इसे टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुम्बई द्वारा संचालित किया जा रहा है। एससीईआरटी के अधिकारियों ने इस टीम को टीचर ओरिएंटेशन, शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली विभिन्न चुनौतियों के बारे में प्रेजेन्टेशन दिया। अधिकारियों ने कनेक्टेड लर्निंग इनिशिएटिव प्रोजेक्ट के विजन और तकनीक के प्रयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में आ रहे बदलाव की जानकारी दी। लर्निंग प्रोसेस में आ रही दिक्कतों के मद्देनजर रणनीति में किए गए बदलाव की भी जानकारी दी।

प्रोजेक्ट के लागू होने से पढ़ाई में रुचि बढ़ी

अधिकारियों ने बताया कि कनेक्टेड लर्निंग इनिशिएटिव प्रोजेक्ट लागू होने से शिक्षकों और विद्यार्थियों में सभी विषयों की पढ़ाई में रुचि में वृद्धि हुई है, उनका जुड़ाव भी बढ़ा है। तकनीक से परिचित होने के साथ ही उनमें ज्ञान बढ़ा है। उनकी पढ़ने और समझने की कुशलता में वृद्धि हुई है। इस टीम ने अटल टिंकरिंग लैब का भी भ्रमण किया और बच्चों से रूबरू होकर बच्चों के द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट की जानकारी ली। अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ की जनसंख्या, राज्य में स्कूलों की संख्या, शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार, नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और पी.एम. ई-विद्या और डिजाइन लेब के संबंध में भी प्रेजेन्टेशन दिया और राज्य में संचालित बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता मिशन तथा अंगना में शिक्षा की विस्तार से जानकारी दी।